Aie malik tera bandey hum lyrics

Source :->bhajansimran.com

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.

ऐसे हो हमारे करम.

नेकी पर चले. और बदी से टले.

ताकि हँसते हुए निकले दम.

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....||

ये अँधेरा घना छा रहा.

तेरा इंसान घबरा रहा.

हो रहा बेखबर.

कुछ ना आता नज़र.

सुख का सूरज छुपा जा रहा.

है तेरी रौशनी में जो दम.

तू अमावास को कर दे पूनम.

नेकी पर चले. और बदी से टले.

ताकि हँसते हुए निकले दम.

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....||

जब जुल्मों का हो सामना.

तब तू ही हमें थामना.

वो बुराई करे.

हम भलाई करे.

नहीं बदले की हो भावना.

बढ़ उठे प्यार का हर कदम.

और मिटे बैर का ये भरम.

नेकी पर चले. और बदी से टले.

ताकि हँसते हुए निकले दम.

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....||

बड़ा कमज़ोर है आदमी.

अभी लाखों हैं इसमें कमी.

पर तू जो खड़ा.

है दयालू बड़ा.

तेरी किरपा से धरती थमी.

दिया तूने हमे जब जनम.

तू ही झेलेगा हम सबके गम.

नेकी पर चले. और बदी से टले.

ताकि हँसते हुए निकले दम.

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....||

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.

ऐसे हो हमारे करम.

नेकी पर चले. और बदी से टले.

ताकि हँसते हुए निकले दम.

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....||

||Disclaimer : for any mistake male us for correction thanks our moto to provide ur informational content